



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 441]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर, 30, 1985/अश्विन 8, 1907

No. 441]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 30, 1985/ASVINA 8, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

दिल्ली संसद

(प्राधिकार कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1985

मा. का. नि. 770 (अ) :—कतिपय नियमों का निम्नलिखित
प्रारूप जिन्हें केन्द्रीय सरकार, साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897
का 10) की धारा 22 के माध्यम से प्रतिभूति संहिता (विनियमन)
संशोधन, 1956 (1956 का 42) [प्रतिभूति संहिता (विनियमन) संशोधन
अधिनियम, 1985 (1985 का 40) द्वारा यथासंशोधित] की धारा
30 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (क) द्वारा प्रस्तुत
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, द्वितीय उल्लिखित अधि-
नियम की धारा 30 की उपधारा (3) द्वारा अपेक्षित के अनुसार उन
सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किये जाते हैं जिनके उनसे
प्रभावित होने की संभावना है। सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर
उस तारीख से जिसको उक्त राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें यह अधिसूचना
प्रकाशित की जाती है, उन साधारण को उपलब्ध करा दी जाती है
पेतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया
जाएगा।

879 GI/85

2. उक्त प्रारूप की वास्तविक तिथि की व्याख्या से इस प्रकार विनिर्दिष्ट
अवधि की समाप्ति के पूर्व यदि कोई प्रश्न या सुझाव प्राप्त होते हैं तो
केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम
प्रतिभूति संहिता (कंपनी विधि बोर्ड को निर्देश) नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में अंतिम रूप से प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्ति होंगे।

2. परिभाषाएँ — इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा
अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से प्रतिभूति संहिता (विनियमन) अधिनियम,
1956 (1956 का 42) अभिप्रेत है;

(ख) "न्यायपीठ" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1)
की धारा 108 की उपधारा (4ख) के अधीन गठित कंपनी
विधि बोर्ड की न्यायपीठ अभिप्रेत है;

(ग) "न्यायपीठ नियम" से कंपनी विधि बोर्ड (न्यायपीठ) नियम
1975 अभिप्रेत है;

(घ) "प्रारूप" से इन नियमों से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है।

(1)

3. अंतरक और अंतरिती को सूचना — अधिनियम की धारा 22क की उपधारा (4) के खंड (ख) में निविष्ट सूचना प्राप्ति सं. में 1 होगी।

4. कंपनी विधि बोर्ड की निर्देश — अधिनियम की धारा 22क की उपधारा (4) के खंड (ग) के अधीन प्रत्येक निर्देश, जैसा उस धारा की उपधारा (5) में निविष्ट है, न्यायपीठ में नियमों के उपाबंध 1 के प्रारूप सं. 10 में होगा और उसके साथ ऐसे वस्तावेज और मसुदा भेजे जाएंगे जिनसे उस नियमों के उपाबंध 2 में विनिविष्ट है।

5. फीस — नियम 1 के अधीन हर एक निर्देश के साथ एक मो रुपए साथ की फीस भेजी जाएगी।

रजिस्ट्री रजिस्ट्री द्वारा

प्राप्ति सं. 1

(नियम 3 देखिए)

अंतरक और अंतरिती को सूचनाएं

1. श्री/ श्रीमती/ मैसर्स —————

(अंतरक)

2. श्री/ श्रीमती/ मैसर्स

(अंतरिती)

कंपनी की प्रतिभूतियों के अंतरण की निष्पत्ति/ निष्पत्ति (जिनके ब्योरे सूचना के उपाबंध में दिए गए हैं) तारीख ————— की प्रतिभूतियों के —————

(जिन्हें हममें इसके

(अंतरक का नाम और पता)

पश्चात् "अंतरक" कहा गया है) के नाम में ————— (जिन्हें हममें इसके

(अंतरिती का नाम और पता)

पश्चात् "अंतरिती" कहा गया है) के नाम में अंतरण के प्रयोजन के लिए प्रस्तुत की गई थी/थी।

सूचना दी जाती है कि नीचे उल्लिखित कारण/कारणों से, कंपनी ने तारीख ————— को आयोजित अपने बोर्ड अधिवेशन में सम्भावपूर्वक यह राय बनाई है कि अंतरिती के नाम में उक्त प्रतिभूतियों के रजिस्ट्रीकरण से इंकार किया जाना चाहिए:

1.

2.

3.

अतः कंपनी प्रतिभूति सचिवा (वित्तियम) अधिनियम, 1956 की धारा 22क की उपधारा (4) के खंड (ख) के अधीन अपेक्षित के अनुसार अंतरक और अंतरिती को आज तारीख ————— को यह जानकारी देती है कि अंतरण के रजिस्ट्रीकरण से संबंधित विधि की निम्नलिखित अपेक्षाओं का उपर्युक्त प्रतिभूतियों का रजिस्ट्रीकरण सुविधित करने के लिए अनुपालन नहीं किया गया है:

(यहां उन विधि संबंधी अपेक्षाओं का वर्णन करें जिसका अनुपालन नहीं किया गया है)

हस्ताक्षर

स्थान:

नाम

तारीख:

कंपनी की ओर से
पदाधिकारी

सूचना में निविष्ट उपाबंध

प्रतिभूतियों की पूरा विवरण	संख्या और श्रकों में संख्या	श्रकों में संख्या	विवरण
-------------------------------	-----------------------------------	----------------------	-------

मुभिन्नक

संख्याक

[फा. म. 1/22/एस ई/85]

पी. जी. मन्कड मयंकन, सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 1985

G.S.R. 770 (E):— The following draft of certain rules which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (ha) of sub-section (2) of section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) [as amended by the Securities Contracts (Regulation) Amendment Act, 1985 (40 of 1985)] read with section 22 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), is hereby published as required by sub-section (3) of section 30 of the first mentioned Act for the information of all person likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and commencement. (1) These rules may be called the Securities Contracts (Reference to the Company Law Board) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. Definitions.— In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

(b) "Bench" means a Bench of the Company Law Board formed under sub-section (4B) of section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(c) "Bench Rules" means the Company Law Board (Bench) Rules, 1975;

(d) "Form" means a form appended to these rules.

3. Notice to the transferor and the transferee.— The notice referred to in clause (b) of sub-section (4) of section 22A of the Act, shall be in Form No. 1.

4. Reference to the Company Law Board.— Every reference under clause (c) of sub-section (4) of Section 22A of the Act, as referred to in sub-section (5) of that section, shall be in Form No. 10 of Appendix I to the Bench Rules and shall be accompanied by such documents and enclosures as are specified in Appendix II to the said rules.

5. Fees.— Every reference under rule 4 shall be accompanied by a fee of rupees one hundred only.

REGD. A.D.

FORM No. 1

[See rule 3]

Notices to the Transferor and Transferee

To

1. Mr./Mrs./Ms./Messrs.
(The Transferor)

2. Mr./Mrs./Ms./Messrs.
(The Transferee)

The instrument(s) transfer of securities of the company [as per details given in the annexure to this notice] was/were lodged on for the purpose of transfer of the said securities in the name of
(Name and address of Transferee)

(hereinafter referred to as "the Transferee") from
(Name and address of the Transferor)

(hereinafter referred to as "the Transferor").

Please take notice that the company has, for the undermentioned reason(s), formed, in good faith, the opinion in its Board Meeting held on that the registration of the said securities in the name of the Transferee ought to be refused:

- 1.
- 2.
- 3.

As required under clause (b) of sub-section (4) of section 22A of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the company hereby informs the Transferor and the Transferee, on this.....day of
(Date) (Month)

ofthat the following requirements of (Year)

law relating to registration of transfer have not been complied with for securing registration of the afore-said securities.

(here mention the requirements of law not complied with.)

Station:

Signature:

Dated:

Name:

For and on behalf of the Company

Designation

Annexure referred to in the Notice

No. and full description of securities	No. in Figures	No. in Words	Des-cription

Distinctive No.

[F. No. 1/22/SE/85]

P. G. MANKAD, Jr. Secy.

